



# मिथक तथ्य

एंटीबायोटिक्स वायरस के खिलाफ काम नहीं करते हैं!

एंटीबायोटिक्स जीवाणु को मारते हैं या उन्हें बढ़ने से रोकते हैं,। वे सर्दी या फ्लू जैसी बीमारियां पैदा करने वाले विषाणुओं से नहीं लड़ते हैं। यदि आप एंटीबायोटिक्स दवाएं ठीक से नहीं लेते हैं, तो ये दवाएं जीवाणु की प्रकृति को बदल सकती हैं परिणाम स्वरूप एंटीबायोटिक्स के सही प्रकार से काम करने में अवरोध उत्पन्न होता है जो कि प्रतिरोध कहलाता है।



# मिथक तथ्य

जब जीवाणु एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी हो जाते हैं  
तब एंटीबायोटिक प्रतिरोध होता है।

एंटीबायोटिक्स जीवाणुओं को नष्ट या कमजोर कर के, संक्रमण से हमें लड़ने में मदद करते हैं। हमारा शरीर एंटीबायोटिक्स दवाओं के लिए प्रतिरोध उत्पन्न नहीं करता है वरन् जीवाणु आनुवंशिक परिवर्तन के माध्यम से एंटीबायोटिक्स दवाओं के मार्ग में प्रतिरोध उत्पन्न करते हैं अर्थात् एंटीबायोटिक प्रतिरोध युक्त संक्रमण उत्पन्न होने पर सामान्यतः ली जाने वाली एंटीबायोटिक दवाएं कारगर नहीं होंगी।

ऐसी परिस्थिति में अंतरिम प्रयुक्त दवाओं अथवा कुछ प्रभावी सक्रिय एंटीबायोटिक्स का प्रयोग किया जाता है।



# मिथक तथ्य

एंटीबायोटिक्स हानिकारक और उपयोगी जीवाणु के बीच अंतर नहीं कर सकते हैं।

एंटीबायोटिक्स हानिकारक और उपयोगी जीवाणु के बीच अंतर नहीं कर सकते हैं। ज्यादातर प्रयुक्त होने वाले एंटीबायोटिक्स यह बताने में असमर्थ होते हैं कि कौन सा जीवाणु हमारे स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है और कौन सा अनुपयोगी। इस प्रकार से रोग ग्रसित होने पर ली जाने वाली एंटीबायोटिक्स रोग जनित जीवाणुओं के साथ-साथ लाभदायक जीवाणुओं को भी नष्ट कर देती हैं। शरीर के लिए उपयोगी जीवाणु मिलकर अनुवांशिक तत्वों का निर्माण करते हैं जो शरीर के सुचारु रूप से संचालन में सहायता करते हैं। इसलिए एंटीबायोटिक्स का प्रयोग सतर्कता के साथ करना चाहिए।





# मिथक तथ्य

एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब फैलता है जब मनुष्य पर्यावरण के माध्यम से एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीवाणुओं के संपर्क में आता है।

एंटीबायोटिक मनुष्यों, जानवरों, मछली और फसलों को दी जाती है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब होता है जब जीवाणुओं के द्वारा उत्पन्न किये जाने वाले संक्रमण के उपचार के लिए प्रयोग किए जाने वाले एंटीबायोटिक के कारण जीवाणुओं की प्रकृति बदल जाती है और जीवाणु इन दवाओं के विरुद्ध हो जाते हैं। एंटीबायोटिक्स प्रतिरोधी जीवाणु मनुष्य, जानवर, भोजन या पर्यावरण के संपर्क से फैलते हैं। हम इस प्रकार के संक्रमण को सही प्रकार से अपने हाथों को धोकर, खांसी अथवा छींक की अवस्था में अपने नाक और मुंह को ढक कर, और सुरक्षित संभोग का प्रयोग करते हुए रोक सकते हैं।





# मिथक तथ्य

आपके द्वारा खाया जाने वाला भोजन एंटीबायोटिक्स को आपकी मदद करने से रोक सकता है।

पशुधन जो एंटीबायोटिक प्राप्त करते हैं, उनके शरीर में प्रतिरोधी जीवाणु को नष्ट कर सकते हैं। यदि आप उनमें से मांस खाते हैं जो पकाया नहीं जाता है या सही से संभाला नहीं जाता है, तो यह जीवाणु आपके अंदर प्रवेश कर सकता है | फसल पर इस्तेमाल होने वाले उर्वरक और पानी से भी जीवाणु फैल सकता है। एफडीए का कहना है कि यह एंटीबायोटिक दवाओं के उपयोग को चरणबद्ध कर रहा है, सिवाय उन लोगों के, जिन्हें पशु चिकित्सक द्वारा भोजन के लिए उठाया गया था |